

पियरोला पुं. (देश.) पीले रंग का एक पक्षी जिसका स्वर अत्यंत मधुर तथा आकार में मैना से छोटा होता है।

पिया पुं. (तद्.) 1. प्रिय, प्रियतम 2. पति 3. पीलापन।

पियागम पुं. (तद्.) प्रिय का आगमन, पति का आना।

पियाज स्त्री. (देश.) प्याज।

पियादा पुं. (देश.) प्यादा।

पियाना स.क्रि. (देश.) पिलाना।

पियानो पुं. (अं.) हारमोनियम की तरह का यूरोपीय वाद्य यंत्र।

पियार पुं. (तद्.) देखने में महुए की तरह का मझोले आकार का एक पेड़। इसका फल फालसे के बराबर तथा गोल होता है, बीज की गिरी बादाम तथा पिस्ते की तरह मीठी होती है और चिरौंजी कहलाती है।

पियारा वि. (तद्.) प्रिय, प्यारा पुं. 1. प्रिय व्यक्ति, प्रियतम।

पियारी वि. (तद्.) प्रिया, प्यारी स्त्री 1. प्रिय स्त्री, पत्नी।

पियास स्त्री. (तद्.) पिपासा, प्यास।

पियासा वि. (तद्.) पीने की इच्छा वाला, पिपासु, प्यासा।

पियासाल पुं. (तद्.) बहेड़े अथवा अर्जुन की जाति का वनों में पाया जाने वाला एक बड़ा पेड़, विजय सार, बंधूक पुष्प।

पियूख/पियूष पुं. (तद्.) पियूष, अमृत।

पियौसार स्त्री. (देश.) विवाहिता स्त्री की ससुराल अर्थात् उसके पति का घर।

पिरथी/परिथिमी स्त्री. (तद्.) पृथ्वी, धरती।

पिरवाना/पेरवाना स.क्रि. (देश.) [पेरना का प्रेरणार्थक रूप] किसी को पेरने में प्रवृत्त करना, किसी के द्वारा पेरने का कार्य करवाना।

पिराग पुं. (तद्.) प्रयाग।

पिराना अ.क्रि. (तद्. पीड़ा) 1. पीड़ा होना 2. दर्द होना 3. किसी को पीड़ित अथवा दुःखी देखकर पीड़ित होना, दुःखी होना, किसी के प्रति सहानुभूति होना।

पिरामिड/पिरामिड पुं. (अं.) 1. वह बहुफलक जिसका आधार बहुभुज होता है और दूसरे फलक त्रिभुज होते हैं तथा एक सर्वनिष्ठ शीर्ष होता है, सूची स्तंभ 2. इस प्रकार की आकृति वाले मिश्र देश में स्थित प्राचीन स्तूप जिनका आधार प्रायः चतुर्भुजाकार होता है।

पिरावनी वि. (देश.) पीड़ा देने वाली।

पिरीत/पिरीति स्त्री. (तद्.) प्रीति, प्रेम, प्यार।

पिरीता वि. (तद्.) प्रिय, प्यारा।

पिरोना स.क्रि. (देश.) 1. सुई आदि किसी छेद वाली वस्तु में धागा डालना 2. छेदवाली बहुत सी वस्तुओं को एक साथ धागे में नत्थी करना।

पिरोला पुं. (देश.) पियरोला नामक पक्षी, पिलक।

पिरौहाँ वि. (देश.) पीड़ा उत्पन्न करने वाला, कष्टदायी।

पिलक पुं. (देश.) पियरोला नामक पक्षी, पिरोला।

पिलकिया स्त्री. (देश.) पीलापन लिए खाकी रंग की एक छोटी चिड़िया।

पिलखन पुं. (तद्.) पाकर अथवा पाकड़ नामक वृक्ष।

पिलचना अ.क्रि. (देश.) 1. दो व्यक्तियों का परस्पर भिड़ना, गुथना अथवा लिपटना 2. किसी कार्य में तत्पर या लीन होना।

पिलना अ.क्रि. (तद्.) 1. वेग एवं पूरी शक्ति से किसी कार्य में जुट जाना 2. वेगपूर्वक अंदर की ओर घुसना 3. भिड़ जाना।

पिलपिला वि. (देश. अनु.) जो इतना कोमल और नरम हो कि हल्का सा स्पर्श करने या दबने, दबाने से रस अथवा गूदा निकलने लगे।